

# BIBELLESEN LEICHT GEMACHT

## Bibelleseplan Juni

| Datum    | AT           | AT             | NT              |
|----------|--------------|----------------|-----------------|
| 1. Juni  | 1 Sam 17     | Ps 104,14-35   | Lk 21,5-28      |
| 2. Juni  | 1 Sam 18-19  | Ps 105,1-15    | Lk 21,29-22,13  |
| 3. Juni  | 1 Sam 20-21  | Ps 105,16-25   | Lk 22,14-46     |
| 4. Juni  | 1 Sam 22-23  | Ps 105,26-45   | Lk 22,47-71     |
| 5. Juni  | 1 Sam 24-25  | Ps 106,1-15    | Lk 23,1-12      |
| 6. Juni  | 1 Sam 26-28  | Ps 106,16-31   | Lk 23,13-25     |
| 7. Juni  | 1 Sam 29-31  | Ps 106,32-48   | Lk 23,26-56     |
| 8. Juni  | 2 Samuel 1-2 | Ps 107,1-22    | Lk 24,1-24      |
| 9. Juni  | 2 Sam 3      | Ps 107,23-43   | Lk 24,25-53     |
| 10. Juni | 2 Sam 4-6    | Ps 108         | Johannes 1,1-18 |
| 11. Juni | 2 Sam 7-9    | Ps 109,1-21    | Joh 1,19-34     |
| 12. Juni | 2 Sam 10-11  | Ps 109,22-31   | Joh 1,35-2,25   |
| 13. Juni | 2 Sam 12-13  | Ps 110         | Joh 3,1-21      |
| 14. Juni | 2 Sam 14-15  | Ps 111         | Joh 3,22-36     |
| 15. Juni | 2 Sam 16-17  | Ps 112         | Joh 4,1-30      |
| 16. Juni | 2 Sam 18     | Ps 113         | Joh 4,31-5,29   |
| 17. Juni | 2 Sam 19     | Ps 114         | Joh 5,30-6,21   |
| 18. Juni | 2 Sam 20-21  | Ps 115         | Joh 6,22-40     |
| 19. Juni | 2 Sam 22     | Ps 116         | Joh 6,41-71     |
| 20. Juni | 2 Sam 23-24  | Ps 117         | Joh 7,1-24      |
| 21. Juni | 1 Könige 1   | Ps 118,1-14    | Joh 7,25-8,1    |
| 22. Juni | 1 Kön 2      | Ps 118,15-29   | Joh 8,2-30      |
| 23. Juni | 1 Kön 3-4    | Ps 119,1-16    | Joh 8,31-59     |
| 24. Juni | 1 Kön 5-6    | Ps 119,17-32   | Joh 9,1-12      |
| 25. Juni | 1 Kön 7      | Ps 119,33-48   | Joh 9,13-41     |
| 26. Juni | 1 Kön 8      | Ps 119,49-72   | Joh 10,1-21     |
| 27. Juni | 1 Kön 9-10   | Ps 119,73-88   | Joh 10,22-42    |
| 28. Juni | 1 Kön 11     | Ps 119,89-104  | Joh 11,1-16     |
| 29. Juni | 1 Kön 12     | Ps 119,105-128 | Joh 11,17-44    |
| 30. Juni | 1 Kön 13-14  | Ps 119,129-152 | Joh 11,45-12,8  |